केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 215 रविवार 25 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट के स्थापना दिवस पर आयोजन 25 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के कोचिंग सेंटर वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट आवास विकास कॉलोनी के तीसरे स्थापना दिवस पर अनेक आयोजन किये गये हैं।

कोचिंग सेंटर वशिष्ठ के संचालक शोभित शुक्ल ने बताया कि इस अवसर पर 25 फरवरी को अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। वशिष्ठ परिवार ने सफल शैक्षणिक यात्रा के तीन वर्ष पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त किया। बताया कि वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट आईआईटी, जेईई और नीट की फाउंडेशन क्लास में छात्रों को सफलता दिलाने का बेहतर विकल्प साबित हो रहा है।

शोभित शुक्ल ने बताया कि 25 फरवरी रविवार को प्रातः 10 बजे से श्रीराम चरित मानस का अखण्ड पाठ आरंभ होगा और सोमवार 26 फरवरी को अखण्ड पाठ पूर्णाहुति के उपरांत हवन यज्ञ और सायं 6 बजे से भण्डारा किया जाएगा।

महिला अधिकारों पर विमर्श, मिला प्रमाण–पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी विकास खंड के अक्षयधागा स्किल सेंटर थरौली में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत इस साल के थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एक्सलेरेट प्रोग्रेस यानी महिलाओं में निवेश करें और प्रगति में तेजी लाएं विषय पर ट्रेनिंग कार्यशाला, और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और युवा विकास समिति के तत्वाधान में किया महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन को लेकर विचार–विमर्श हुआ और युवतियों में महिला अधिकार प्रदर्शित करने वाले मेहदी डिजाइन बनाया. इस दौरान कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रशिक्षुओं ने उत्साह से भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता माधुरी ने कहा की हमें लैंगिक भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिए आत्मविश्वास पैदा करना होगा। इस अवसर उन्होंने प्रतिभागियों को महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा की महिलाओं द्वारा द्वारा घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, निरक्षरता और लिंग पूर्वाग्रह की बुराइयों को निबटा जा सकता है है। इसके लिए वह आगे आए। उन्होंने छात्राओं को समाज के समग्र विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया।

सुनीता यादव ने ग्रामीणों को लैंगिक समानता और परिवारों और समाज में महिलाओं के महत्व के बारे में और लिंग असमानता के लिए जिम्मेदार विभिन्न कारकों के बारे में जनता को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि लोगों से ऐसा माहौल बनाने के लिए कहा जहां महिलाओं को हर क्षेत्र में विकास के समान अवसर मिले।

बृहस्पति पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित कर उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे पुरुष प्रधान समाज की सामंती मानसिकता को बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि महिलाओं को समान दर्जा और अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज के दौर में महिलाएं पूरा समाज में एक हिस्सेदार है और हम सबको यह मानना होगा की महिलाओं का योगदान समाज को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरुरी है। इस मौके पर मेहदी, कविता पाठ और परिचर्चा में भाग लेने वाली चांदनी, रोशनी, नीलू, सुनीता,रतना, नीलम, रूपा, अनीता, काजल, अर्चना, गीता, सरस्वती,महिमा,नीलम, खुशबू , राधना, अंशिका, मुस्कान,रेखा, चन्द्रावती,साक्षी,अर्चना,उर्मिला,सोनी को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

यूपी में पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा रद्द

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते 17 व 18 फरवरी को आयोजित पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा–2023 को निरस्त करते हुए अगले 06 माह के भीतर पूरी शुचिता के साथ दोबारा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उक्त परीक्षा के संबंध में जारी एसटीएफ की जांच और अब तक की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए शनिवार को मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की मेहनत से खिलवाड़ और परीक्षा की शुचिता से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गृह विभाग ने परीक्षा निरस्त करने का आदेश भी जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक 17 व 18 फरवरी, 2024 को सम्पन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में प्राप्त तथ्यों एवं सूचनाओं के परीक्षण के आधार पर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के दृष्टिगत इस परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

शासन ने भर्ती बोर्ड को यह निर्देश दिए है कि जिस भी स्तर पर लापरवाही बरती गई है उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शासन ने प्रकरण की जांच एसटीएफ से कराये जाने का निर्णय लिया है,

दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई किये जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। शासन ने छह माह के अन्दर पूर्ण शुचिता के साथ पुनः परीक्षा आयोजित करने तथा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवा से अभ्यर्थियों को निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर चयन के लिए आयोजित परीक्षा–2023 को निरस्त करने तथा आगामी छह माह के भीतर ही पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती के लिए 18 फरवरी को आयोजित परीक्षा के दौरान कृष्णानगर स्थित एक स्कूल में परीक्षार्थी सत्य अमन कुमार के पास मिली सवालों के जवाब की पर्ची से पेपर लीक होने की आशंका जताई जा गई थी।

एफआईआर दर्ज कराने वाले इंस्पेक्टर ने भी तहरीर में सुनियोजित तरीके से पेपर लीक होने की बात लिखी थी। वहीं, परीक्षार्थी को सवालों के जवाब व्हाट्सएप पर भेजने वाले आरोपी नीरज को अब तक पुलिस नहीं पकड़ सकी है। आरोपी नीरज को प्रश्नों की जानकारी कहां से मिली, यह अहम सवाल अभी तक अनसुलझा है।

यह परीक्षा 17–18 फरवरी को प्रदेश के सभी 75 जिलों में 2385 केंद्रों पर दो–दो पालियों में हुई थी। करीब 48 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाले एसटीएफ की रडार पर पहले से थे। जिलों की पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर प्रदेश भर में सॉल्वर गैंग और नकल करने वाले 300 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ की कार्रवाई अभी भी जारी है।

1 जुलाई से लागू होंगे तीन नये कानून

नई दिल्ली (आभा)। देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए एक जुलाई से तीन नए कानून लागू होंगे। ये तीन कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 सितंबर को संसद से मंजूरी मिली थी। उसके बाद 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उन्हें मंजूरी दी थी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) की ओर से तीन अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। इनके मुताबिक नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे। ये कानून औपनिवेशिक काल की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का मकसद विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को परिभाषा देकर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है।

युवा चिकित्सक डा. सावंत चौधरी के आकस्मिक निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के वरिष्ठ चिकित्सक डा. आर. एन. चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र डा. सावंत चौधरी के आकस्मिक निधन से शोक की लहर है। डा. सावंत का अंतिम संस्कार दुबौलिया स्थित भिऊरा के सरयू तट पर किया गया। शनिवार को पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर डा. सावंत को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

डा. सावंत के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि यह उनके लिये व्यक्तिगत आघात है। एक युवा और होनकार डाक्टर का निधन समाज की भी बड़ी क्षति है। संस्थान दुःखी परिवार के साथ है।

डा. सावंत के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में डा. आलोक रंजन, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. लालजी यादव, डा. रीतेश कुमार, डा. पवन गुप्ता के साथ ही शिव प्रसाद, मनोज, माया, पूजा, ध्रुवचन्द, मनीषा, जे.पी. दूबे, अर्पणा मिश्रा, शिवशंकर, राम स्वरुप, सन्तोष कुमार, श्रवण कुमार कुशवाहा, सतीश, राजेश सिंह, कमलेश कुमार, पारसनाथ, गौरव पाण्डेय, राधिका वर्मा, आराधना पाण्डेय, कविता, उदयभान, विशाल के साथ ही पैरा मेडिकल कालेज के अनेक चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और छात्र शामिल रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दुःखी परिवार को साहस देने की प्रार्थना की गई।

सामूहिक रूद्राभिषेक के लिये किया 108 हनुमान चालीसा का पाठ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वर मन्दिर पर विश्व कल्याण हेतु 108 हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

कार्यक्रम में धर्म रक्षा अभियान के संयोजक राजेश मिश्र ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में सनातन धर्म ही एक मात्र ऐसा धर्म है, जो सम्पूर्ण विश्व के मानवता की रक्षा कर सकता है इसलिए सनातन धर्म में शक्ति संचार की अद्भुत व्यवस्था है, श्री हनुमान जी शक्ति, और संगठन के स्रोत हैं, इसलिए धर्म रक्षा अभियान में 108 श्री चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया।

हनुमान चालीसा पाठ होने के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर होने वाले सामूहिक रुद्राभिषेक हेतु भूमि पूजन किया गया और लोगों ने द्विव्यता से इसे पूर्ण करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में सनातनी भण्डारे का भी आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिला संयोजक प्रमोद पाण्डेय, राहुल मिश्र एवं अपूर्व शुक्ल ने महाशिवरात्रि पर्व पर विशेष आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा किया।

इसी क्रम में संध्या मिश्रा, संगीता सिंह, मंजू गुप्ता, गीता देवी, चन्द्रावली, शिवेश शुक्ल, मुकेश कुमार, अनीस कुमार चौधरी, पौरुष उपाध्याय, जैनेन्द्र कुमार शुक्ल, सौरभ कुमार बोस, महेंद्र सिंह, अरुण भारती, दिनेश सिंह, प्रतीक मिश्र, नागेन्द्र मिश्र, नवीन प्रधान, विशाल मिश्रा एडवोकेट के साथ अन्य लोगों ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कासगंज में श्रद्धालुओं को ले जा रहा ट्रैक्टर ट्राली तालाब में पलटा, 7 बच्चों समेत 22 की मौत

कासगंज (आभा)। कासगंज में बड़ा हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर ट्राली के तालाब में पलटने से सात बच्चों सहित 22 लोगों की मौत हो गई। यह ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गया। स्थानीय लोग प्रशासन की मदद से तलाश में जुट गए। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद तीन लोगों का पता नहीं चल सका है। गोताखोर तालाब में तलाश कर रहे है। घायलों को कासगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना जैथरा क्षेत्र के गांव नगला कसा निवासी से ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर करीब 54 लोग शनिवार की सुबह गंगा स्नान के लिए गए थे। ट्रैक्टर करीब साढ़े नौ बजे गांव से निकला था। करीब साढ़े दस बजे थाना पटियाली क्षेत्र के गांव थाना दरियावगंज के बाहर पहुंचा था तो तेज रफ्तार से जा रहा ट्रैक्टर पुलिया पर अनियंत्रित हो गया। ट्रैक्टर सीधे तालाब में जा गिरा। ट्राली में सवार लोगों की चीख की आवाज सुन आसपास के लोग पहुंच गए। गांव के लोग मदद में जुट गए। ट्राली में सवार लोगों की संख्या अधिक थी, तालाब की भी गहराई ज्यादा होने के कारण गांव के लोग अधिक मदद नहीं कर सके। कुछ ही लोगों को पानी से बाहर निकाल पाए। हादसे की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जुट गए। मौके पर पहुंचे कासगंज के डीएम, एसपी ने घटना स्थल पर पहुंचकर 20 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। 15 लोग घायल हुए हैं। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। मरने वालों में सात बच्चे भी शामिल है। अभी तीन लोगों ऐसे है जिनका पता नहीं चल सका है। गोताखोरों की टीम भी तलाश नहीं कर पाई है। तालाबा को खाली कराने की काम शुरू किया गया है। इस हादसे से एटा और कासगंज के जिले में शोक है। अलीगढ़ मंडल कमिश्नर रवेंद्र कुमार ने बताया कि अब तक 22 की मौत हो चुकी है। 10 गंभीर घायल है। कुल 54 लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कासगंज में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम योगी ने हादसे में मृतकों के परिजनों को 2 – 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार रुपये सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं।

सिख समाज ने सामाजिक समरसता के रूप में किया संत रविदास को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का 647 का जन्म दिवस पूर्वांचल सिख वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में गुरु गोबिंद सिंह चौक निकट कंपनीबाग में गुरु रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित कर सामाजिक समरसता के रूप में मनाया गया और प्रसाद का भी वितरण किया गया । इसी कड़ी में चयनित गुरु रविदास प्रतिनिधियों को गुरु घर का सिरपाओ देकर सम्मानित किया गया ।

गुरु रविदास को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पूर्वांचल सिख वेलफेयर सोसायटी के परदेश संयोजक सरदार जगबीर सिंह ने कहा की गुरु रविदास ने जीवन भर मानवता कल्याण के लिए संघर्ष किया। ऊंच नीच जात–पात के भेद को खत्म करने को लेकर अपनी वाणी द्वारा द्वारा जन–जन को संदेश दिया जिससे बड़े से बड़ा राजा, प्रभावशाली लोग उनके शिष्य बन गए । इनका संदेश आज भी पूरे समाज में प्रतिष्ठित है । गुरु रविदास जी ने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'' कह कर सारे समाज का मन जीत लिया । यानि मन साफ है शुद्ध है वही जीवन के सफलता की कुंजी है। यहां तक सिख समाज में इनका बहुत ही सम्मान सत्कार है । सिखों की सर्वोच्च धार्मिक ग्रंथ श्री गुरु ग्रंथ साहब में बानी के रूप में कई श्लोक दर्ज है । जहां अन्य गुरुओं को नतमस्तक करते हैं वही गुरु रविदास जी को भी सिख नमन करते हैं । कार्यक्रम में गुरुद्वारा साहब के ज्ञानी प्रदीप सिंह ने अरदास प्रार्थना कर सभी के जीवन के सकुशल की कामना किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सरदार राजेंद्र सिंह 'काका', सतनाम सिंह, हरदीप सिंह, सत्येन्द्र सिंह, राजा अमृत पाल सिंह 'सनम', अमनदीप सिंह, सरबजीत सिंह, कुलवंत सिंह, सानू जसबीर सिंह 'विकी', पियूष सिंह, बलजीत सिंह 'पप्पू', अखिलेश, मंटू शुक्ला, साहिब सिंह, सेंकी सिंह, सरबजीत सिंह सानू, हरजीत सिंह, हरमन सिंह 'बीर', गंगा राम के साथ ही अनेक श्रद्धालु शामिल रहे।

भाजपा की कार्यशाला में विमर्शः सपा छोड़ भाजपा में आये अंकुर वर्मा का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा नगर मण्डल के तत्वावधान शनिवार को भाजपा कार्यालय लाभार्थी संपर्क अभियान की कार्यशाला का आयोजन नगर अध्यक्ष अलोक पाण्डेय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, महेश शुक्ल, भानु प्रकाश मिश्र, सुरेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। वही भाजपा कार्यालय पर अन्य दलों से आये नेता पूरे जोश और दमखम के साथ सहयोगी व्यापारियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर भाजपा में शामिल हो गये। भाजपा नेता अमृत कुमार वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि अंकुर वर्मा के साथ आये व्यापार मण्डल और अग्रहरी समाज के कई नेताओ ने प्रधानमन्त्री मोदी के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले कार्यकर्ता ने कहाँ जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र द्वारा कार्यकर्ताओं को सम्मान देने की बात सुनकर और उनके जोशिले और स्वाभिमानी व्यक्तित्व को देखकर पार्टी में शामिल होने का फैसला लेकर सदस्यता ग्रहण की। कहा कि पार्टी की विचारधारा के विपरीत सोच कभी भी न रही है और न रहेगी।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पिछले दिनों गाँव–गाँव जाकर महासंपर्क का अभियान चलाया गया। अब लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता लाभार्थी के घर जाएंगे और उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे। भाजपा सरकार की किसी न किसी योजना से हर व्यक्ति लाभान्वित है। भाजपा तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को अपना 100 दिन का समय देना होगा। लाभार्थियों की सूची जिला कार्यालय पर उपलब्ध है, जिससे हम आसानी से लाभार्थियों से संपर्क कर सकेंगे। जिलाध्यक्ष ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में शामिल होने से बस्ती नगर पालिका क्षेत्र में पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी।

भाजपा नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि हम जितने लाभार्थियों से मिलेंगे पार्टी उतनी ही मजबूत होगी और पिछले चुनाव से ज्यादा इस बार मत पाने में सफल होंगे। देश में भाजपा का जनाधार बढ़ रहा है, हमें 400 सीट पाने में कठिनाई नहीं होगी।

इस दौरान सुभाष चन्द्र अग्रहरी, कुलदीप भूषण अग्रहरी, प्रदीप अग्रहरी, संजय चौधरी, जितेन्द्र चौरसिया, अमन श्रीवास्तव, अमित पाण्डेय, हरिशंकर सिंह, विकाश सिंह,मंजुल ज्योति वर्मा, अंकुर श्रीवास्तव , राकेश निषाद, रमेश श्रीवास्तव, देवव्रत श्रीवास्तव, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव , जितेन्द्र चौधरी , सतीश गुप्ता ,सिद्धार्थ सिंह, गौरिश सिंह, दुर्गेश त्रिपाठी, विशाल श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, विकाश वर्मा, सतेन्द्र मिश्रा, आदर्श पाठक, पवन अग्रहरी, मो० जलील, मनप्रीत सिंह, अम्बेश श्रीवास्तव , सूरज गुप्ता , संतोष भारद्वाज , विक्रम चौहान , गायत्री , सुनीता मंजू , सुमन तिवारी , सपना श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव , अरविन्द श्रीवास्तव , कोशलेंद्र श्रीवास्तव , सुरेन्द्र श्रीवास्तव , सुधीर श्रीवास्तव , दीपक गौड़, सूरज गौड़, लवकुश गौड़, गणेश श्रीवास्तव ,संदीप कुमार , अती उल्लाह जी, विनय कुमार , विष्णु शर्मा, पवन वर्मा , विवेक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने उठाया खण्ड विकास अधिकारियों के मनमानी का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सरकार की मंशा के विपरीत कुछ खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा मनमाने ढंग से विकास कार्यों को बाधित किये जाने और ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर ग्राम प्रधानों को परेशान किये जाने का मुद्दा उठाते हुये दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही किये जाने, पक्षपातपूर्ण रवैया बंद कराये जाने का आग्रह किया है। उन्होने चेतावनी दिया है कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्यवाही न हुई तो समाजवादी पार्टी आन्दोलन करने को बाध्य होगी।

जिलाधिकारी को भेजे पत्र में विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान अनेक ग्राम पंचायतों के नागरिकों, ग्राम प्रधानों ने बताया है कि खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा पक्षपात किया जा रहा है। पत्र में कहा गया है खण्ड विकास अधिकारी के स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप डीएससी एक्टिवेट होने में 4 से 5 दिन लग जाता है जिससे मस्टररोल डिले हो जाता है। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर मनमानी ढंग से पैसा मांगा जाता है ना देने की स्थिति में मस्टररोल शून्य कर दिया जाता है। जैसे विकास खण्ड बस्ती सदर, साऊँघाट, कुदरहा, बहादुरपुर दुबौलिया, कप्तानगंज, गौर, बनकटी, रामनगर एवं रुधौली में

-डीएम को भेजा पत्र, मनमानी, ग्राम प्रधानों का उत्पीड़न, उगाही बंद न हुआ तो सपा करेगी आन्दोलन

बड़ी संख्या में मस्टररोल शून्य किया गया है। अनेक विकास खण्डों में कमीशन लेकर मानक के विपरीत कुछ विशिष्ट प्रधानों के पक्के कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई जबकि बहुत ग्राम पंचायतों में जिनके द्वारा भारी कमीशन धनराशि देने में असमर्थता जताई गई, उन ग्राम पंचायतों में मानक के अनुसार भी कोई स्वीकृति नहीं की गई। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर वहाँ के प्रधानो को बुलाकर जांच के नाम पर डराने व धमकाने के साथ साथ धन उगाही भी किया जा रहा है तथा सत्तारूढ दल में शामिल होने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा है। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बड़े पैमाने पर भारी मात्रा में कमीशन लेकर कुछ विशिष्ट ग्राम पंचायतों के कच्चे कार्यों की स्वीकृति प्रदान किया जा रहा है। वही जो ग्राम पंचायते कमीशन देने में असमर्थ है, उनकी मानक के अनुसार भी कच्चे कार्यों की स्वीकृति नहीं प्रदान की जा रही है।

विधायक महेन्द्रनाथ ने डीएम को दिये पत्र में कहा है कि दोषी अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय जिससे सरकार के मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायतों का सर्वांगीण विकास के साथ–साथ मनरेगा मजदूरों को रोजगार मिल सके। यदि विकास खण्डो में भ्रष्टाचार व पक्षपात का रवैया नही खत्म किया गया तो समाजवादी पार्टी व्यापक आन्दोलन के लिए बाध्य होगी, इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 फरवरी 2024 रविवार

सम्पादकीय

युवाओं में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति

यह विडंबना ही है कि जिस उम्र में छात्रों को एकाग्र होकर पढ़ाई—लिखाई में बेहतर करके अपना भविष्य संवारना चाहिए था, उस उम्र में वे हिंसक गतिविधियों में लिप्त हैं। किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये एक चेतावनी ही है। आए दिन स्कूली छात्रों के खूनी टकराव और छात्रों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। जो शिक्षकों और अभिभावकों के लिये गंभीर चिंता की बात है। विचारणीय प्रश्न यह है कि खेलने—खाने की उम्र में छात्रों के व्यवहार में यह आक्रामकता क्यों आ रही है। दरअसल, इसी संकट की आहट को महसूस करते हुए दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिया है कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच के लिए एक समिति बनायी जाए। जिसका मकसद है कि किसी लड़ाई—झगड़े में छात्रों को नुकसान पहुंचने वाली घातक वस्तुओं की निगरानी करना। ताकि किसी टकराव और संघर्ष की स्थिति में कम से कम किसी छात्र की जिंदगी पर संकट न आए। उद्देश्य यही है कि छात्रों के लिए स्कूल परिसरों में सुरक्षित माहौल बनाया जा सके। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या छात्रों के बस्ते की निगरानी मात्र से इस समस्या का समाधान संभव है? क्या इस फौरी उपचार से आक्रामक होती मानसिकता पर अंकुश लग पाएगा? क्या शिक्षक भी इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि हमारे बच्चे गुस्से में क्यों हैं? आखिर वे किन मनःस्थितियों से गुजरकर घातक कदम उठा रहे हैं। निस्संदेह, हमारे वातावरण, टीवी, फिल्मों और अन्य सूचना माध्यमों में ऐसा बहुत कुछ मौजूद है जो उनके व्यवहार में अप्रत्याशित बदलाव ला रहा है। बेलगाम इंटरनेट के घातक प्रभावों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हाल के दशकों में इंटरनेट में ऐसे तमाम हिंसक वीडियो गेम उपलब्ध हैं जो किशोरों के बालमन पर प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। बच्चे खेल—खेल में कई ऐसे हिंसक वीडियो गेम में रम जाते हैं जहां मारने—काटने के खेल आम बात है। किशोरों की ऐसे ऑनलाइन खेलों की लत लगना अब आम बात हो गई है।

कहते हैं बच्चों का मस्तिष्क एक कोरी स्लेट की तरह होता है। उसे जिस तरह का ज्ञान बाह्य स्रोतों से मिलता है उसकी मनोवृत्ति उसी के अनुरूप ढल जाती है। दरअसल, आज भागदौड़ की जिंदगी में अभिभावकों के पास भी इतना समय नहीं है कि वे बच्चों की चौबीस घंटे निगरानी कर सकें। उनकी धारणा है कि कम से कम बच्चा मोबाइल के साथ उनके करीब तो है। मोबाइल आज एक ऐसा बेलगाम साधन बन गया है जिसमें कौन क्या परोस रहा है और उसका बच्चों पर क्या असर होगा, कोई नहीं कह सकता। वहीं स्कूलों के स्तर पर शिक्षकों की भूमिका पहले जैसी नहीं रही, जो छात्रों के रुझान व सोच को संवारने में गहरी रुचि रखते थे। हमारे राजनीतिक परिदृश्य में भी जो आक्रामकता बढ़ रही है वह भी नई पीढ़ी को संवेदनहीन बना रही है। आए दिन आरोप—प्रत्यारोप और पराभव की राजनीति बालमन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। उन्हें लगता है कि सामाजिक व राजनीतिक जीवन के नायक कहे जाने वाले लोगों के व्यवहार में ऐसी तल्खी है, तो यह सामान्य जीवन का ही हिस्सा है। विडंबना यह भी है कि नई पीढ़ी के बच्चे मैदानी खेलों और श्रम प्रधान व्यवहार से परहेज करने लगे हैं। जिससे उनके व्यवहार में सहजता—सरलता का भाव लगातार घट रहा है। वहीं समाज में नैतिक मूल्यों का पराभव भी इस संकट का एक पहलू है। जिसके चलते संवेदनहीनता पांव पसार रही है। आधुनिक जीवन शैली के दंश भी इसमें भूमिका निभाते हैं। वहीं खान—पान का सात्विक पक्ष भी धीरे—धीरे नदारद होता जा रहा है। दूषित खानपान व पर्यावरण के प्रदूषण के मानवीय व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अंतिम निष्कर्ष आना अभी बाकी है लेकिन कहीं न कहीं ये घटक हमारे व्यवहार पर असर तो डालते ही हैं। बहरहाल, नई पीढ़ी के बच्चों के व्यवहार में आ रही आक्रामकता हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसको लेकर शिक्षा मंत्रालय, शिक्षकों व अभिभावकों को साझी जवाबदेही निभाने की जरूरत है क्योंकि ये बच्चे हमारे कल के नागरिक हैं और देश का भविष्य भी।

विश्व के लोकतंत्र में भारत की स्थिति

—हरि जयसिंह—

इकोनॉमिस्ट इंटैजीलैंस यूनिट द्वारा जारी लोकतंत्र सूचकांक विश्व स्तर पर लोकतंत्र की स्थिति के बारे में रुझानों का खुलासा करता है। इस वर्ष चुनाव कराने वाले 70 देशों में से केवल 43 में पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया हुई। सूचकांक एक कठोर वास्तविकता को उजागर करता है। दुनिया की 8 प्रतिशत से भी कम आबादी पूर्ण लोकतंत्र में रहती है जबकि लगभग 40 प्रतिशत सत्तावादी शासन के तहत रहती है। सबसे लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में नॉर्वे इस सूची में शीर्ष पर है, जबकि अफगानिस्तान सबसे निचले स्थान पर है। भारत, हालांकि अपनी रैंकिंग में सुधार दिखा रहा है, फिर भी इसे 'त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

चीन और भारत दोनों ने 2023 में कुछ सुधार देखे। चीन का स्कोर बढ़ गया, लेकिन अभी भी इसे बहुत कम लोकतंत्र स्तर पर माना जाता है, जो मुख्य रूप से सरकार द्वारा नियंत्रित है। हालांकि भारत के लोकतंत्र को त्रुटिपूर्ण माना जाता है, फिर भी इसका स्कोर चीन से बेहतर है और इसकी राजनीतिक व्यवस्था अधिक खुली है। चीन में, सुधार वास्तविक से अधिक औपचारिक थे। उसने सेना पर नियंत्रण कड़ा कर दिया और अपनी संसद में महिला सांसदों की संख्या बढ़ा दी। हालांकि, वास्तविक शक्ति अभी भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पास है, जो ज्यादातर पुरुष—प्रधान है। भारत में, सरकार और राजनीतिक संस्कृति में सुधार हुआ, लेकिन नागरिक स्वतंत्रता में झटका लगा, विशेष रूप से मणिपुर में।

पीछे मुड़कर देखें, तो भारत ने अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में दो महत्वपूर्ण असफलताओं का अनुभव किया है—जून 1975 से मार्च 1977 तक आपातकाल की अवधि और 2014 में नरेंद्र मोदी के चुनाव के साथ शुरू हुई हालिया गिरावट। मोदी के कार्यकाल के दौरान, औपचारिक लोकतांत्रिक संस्थाएं बरकरार रहीं। हालांकि, मोदी सरकार ने ऐसी नीतियां लागू की हैं जो राजनीतिक स्वतंत्रता को कमजोर करती हैं और समावेशिता की वकालत करने वाली आवाजों को दबाती हैं। मोदी प्रशासन ने 2014 से गैर—सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) के खिलाफ अवांछित कार्रवाई की है। भारत का नागरिक समाज, जिसमें 200,000 से अधिक पंजीकृत एन.जी.ओ. शामिल हैं, देश के विकास और लाखों गरीब भारतीयों की भलाई में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। फिर भी, सरकार की नीतियों, जिनमें विदेशी फंडिंग पर सीमाएं और गैर सरकारी संगठनों पर लक्षित अन्य नियम शामिल हैं, को आलोचना का सामना करना पड़ा है।

कैर्न्स इंस्टीच्यूट के रिसर्च फैलो केरिन सिम्स, ईस्ट एशिया फोरम में लिखते हैं "वास्तव में, मोदी के नेतृत्व ने अवरोधन की राजनीति को आगे बढ़ाया है, व्यापक नीतियों को लागू किया है जो राजनीतिक स्वतंत्रता को खत्म करती हैं और समावेशिता के समर्थकों को चुप कराती हैं। काम में रुकावट डालने की इस राजनीति को देखने के लिए, किसी को भिखारियों को बेदखल करने और झुग्गियों को छुपाने की घटनाओं पर गौर करने की जरूरत नहीं है, जो जी—20 शिखर सम्मेलन की अगुवाई में हुई थी।

यह गिरावट इंदिरा गांधी के तहत आपातकाल के बिल्कुल विपरीत है, जिसके दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से कई लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट कर दिया था, जिसमें चुनाव पर प्रतिबंध लगाना, राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालना, नागरिक स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना, स्वतंत्र मीडिया को सैंसर करना और अदालतों के अधिकार को कमजोर करने वाले संवैधानिक संशोधन पारित करना शामिल था।

इसलिए, मैं तर्क दूंगा कि भारतीय लोकतंत्र अपने परिचित रूप में कायम है, जो इसकी गड़बड़ी और लोकतांत्रिक और सत्तावादी विशेषताओं के बीच परस्पर क्रिया की विशेषता है। तो हम भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं? खैर, भारत के लिए अपने लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने का सबसे अच्छा मजबूत रास्ता जमीनी स्तर के समर्थन के साथ एक वास्तविक विपक्षी दल के उदय पर निर्भर करता है। अतीत में, कांग्रेस ने इस भूमिका को निभाया, लेकिन 1969 में इंदिरा गांधी की सत्ता को मजबूत करने की कार्यवाइयों के कारण इसके जमीनी स्तर के संपर्क गायब हो गए। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अपने गढ़ से परे भी वायदा दिखाया है, लेकिन निरंतर विकास के लिए दोनों पार्ट्टयों को विकसित होने की जरूरत है। प्रभावी शक्ति के लिए व्यक्तिगत आंकड़ों से परे सुव्यवस्थित संरचनाओं की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, राष्ट्र ने फली नरीमन को खो दिया जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए खड़े थे और स्वतंत्र भाषण के समर्थक थे और बार—बार इस बात पर प्रकाश डालते थे कि निष्पक्ष और स्वतंत्र न्यायाधीश संविधान की मूल विशेषता हैं। वे कहते थे "मुझे यह सोचने और महसूस करने के लिए बड़ा किया गया है कि अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक समुदाय के साथ, भारत के अभिन्न अंग हैं। मैं धर्मनिरपेक्ष भारत में रहा हूं और फला—फूला हूं। यदि ईश्वर ने चाहा तो समय आने पर मैं भी धर्मनिरपेक्ष भारत में मरना चाहूंगा।" यह बात प्रख्यात न्यायविद् ने अपनी आत्मकथा 'बिफोर मैमोरी फेड्स' के अंतिम अध्याय में लिखी है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए फली नरीमन सबसे वरिष्ठ थे। दरअसल, स्वतंत्र न्यायपालिका के लिए उनके योगदान ने न्यायविदों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। उन्होंने कभी शब्दों में कमी नहीं की। उन्होंने ऐसे लोगों को नहीं बख्शा जिन्हें इसकी मांग करने की जरूरत थी, हम उन्हें हमेशा संवैधानिक नागरिक स्वतंत्रता के एक कट्टर समर्थक के रूप में याद रखेंगे, जैसा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने उनका वर्णन किया है।

सिद्ध अलौकिक समाज—सुधारक संत रविदास

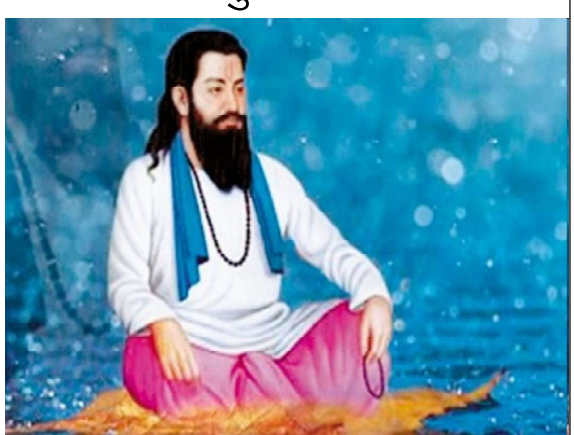

—ललित गर्ग —

जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अंधकारमय था तब संत गुरु रविदास एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक थे। वे ईश्वर को पाने का एक ही मार्ग जानते थे और वो है 'भक्ति', इसलिए तो उनका एक मुहावरा आज भी बहुत प्रसिद्ध है कि, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो —सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक—दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना रविदासजी के सर्वधर्म समभाव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। संत शिरोमणि गुरु रविदासजी एक महान संत और समाज सुधारक थे। भक्ति, सामाजिक सुधार, मानवता के योगदान में उनका जीवन समर्पित रहा।

रविदासजी के जन्म को लेकर कई मत हैं। लेकिन रविदासजी के जन्म पर एक दोहा खूब प्रचलित है— 'चौदस सो तैंतीस कि माघ सुदी पन्दरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास— इस पंक्ति के अनुसार गुरु रविदास का जन्म माघ मास की पूर्णिमा को रविवार के दिन 1433 को हुआ था। इसलिए हर साल माघ मास की पूर्णिमा तिथि को रविदास जयंती के रूप में मनाया जाता है जोकि इस वर्ष 24 फरवरी 2024 को है। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है। रविदासजी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के गोवर्धनपुर गाँव में एक मोची परिवार में हुआ था। वे कबीरजी के समकालीन थे और अध्यात्म, धर्म, समाज—व्यवस्था पर कबीरजी के साथ उनके कई संवाद उपलब्ध हैं। महायकाल की प्रसिद्ध संत मीराबाई भी रविदासजी को अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। रविदासजी ने लोगों को एक नई राह दिखाई कि घर—गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील—सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। अपनी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी रविदासजी भक्ति आंदोलन, हिंदू धर्म में भक्ति और समतावादी आंदोलन में एक प्रमुख पुरोधा पुरुष के रूप में उजागर हुए। 15 वीं शताब्दी में रविदास जी द्वारा चलाया गया भक्ति आंदोलन उस समय का एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन था।

धर्म के वास्तविक स्वरूप को उजागर करने, भक्ति और ध्यान में गुरु रविदास का जीवन समर्पित रहा। उन्होंने भक्ति के भाव से कई गीत, दोहे और भजनों की रचना की। पवित्रता, मानवीयता, आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता उनके मुख्य धार्मिक संदेश थे। हिंदू धर्म के साथ ही सिख धर्म के अनुयायी भी गुरु रविदास के प्रति श्रद्धा भाव रखते हैं। यही कारण है कि रविदासजी की 41 कविताओं को सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने पवित्र ग्रंथ आदिग्रंथ या गुरुग्रंथ साहिब में शामिल कराया था। वे समाज सुधारक थे, तत्कालीन रूढ़ियों, आडम्बरों एवं दुराचारों को समाप्त कर स्वस्थ समाज संरचना करने में भी उनका विशेष योगदान रहा। इन्होंने समाज से जातिवाद, भेदभाव और समाजिक असमानता के खिलाफ जनजागृति का वातावरण निर्मित कर समाज को समानता और न्याय के प्रति प्रेरित किया। गुरु रविदासजी ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अपने शिष्यों को उच्चतम शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया।

रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक संत थे। एक कथा के अनुसार रविदासजी बचपन में अपने साथियों के साथ खेल रहे थे। उनमें से एक साथी अगले दिन खेलने नहीं आता है तो रविदासजी उसे ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच जाते हैं। उसकी मृत्यु हो गई और वे मृत शरीर को देखकर बहुत दुखी होते हैं और अपने मित्र को बोलते हैं कि उठो ये समय सोने का नहीं है, मेरे साथ खेलो। इतना सुनकर उनका मृत साथी खड़ा हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संत रविदासजी को बचपन से ही आलौकिक शक्तियां प्राप्त थी। लेकिन जैसे—जैसे समय निकलता गया उन्होंने अपनी शक्तियों को भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की भक्ति में लगाई। इस तरह धीरे—धीरे लोगों का भला करते हुए वे जन—जन के प्रिय अलौकिक संत बन गए।

संत गुरु रविदास ने स्वयं को ही पग—पग पर परखा और निखारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी—सुनाई तथा लिखी—लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। रविदासजी शब्दों का महासागर हैं, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद—बूंद में सागर है और किरण—किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत गुरु रविदास सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू के अलावा अन्य संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। उन्होंने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध के साथ—ही—साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों—आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में रविदासजी ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद के खिलाफ वातावरण बनाया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों—विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए रविदासजी ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को टोंक—पीट कर इंसान बनाने की घटना रविदासजी के काल में, रविदासजी के ही हाथों, उनकी रचनाओं—विचारों एवं कार्यो से हुई। शायद तभी रविदासजी कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। रविदासजी ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे।

संत गुरु रविदास ने धरती और धरती के लोगों की धड़कन को सुना। धड़कनों के अर्थ और भाव को समझा। इन धड़कनों को वे जितना आत्मसात करते चले, उतना ही उनका जीवन ज्ञान एवं संतता का ग्रंथ बनता गया। यह जीवन ग्रंथ शब्दों और अक्षरों का जमावड़ा मात्र नहीं, बल्कि इसमें उन सच्चाइयों एवं जीवन के नए अर्थों—आयामों का समावेश है, जो जीवन को शांत, सुखी एवं उन्नत बनाने के साथ—साथ जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं। उनके अनुभवों और विचारों ने एक नई दृष्टि प्रदान की। इस नई दृष्टि को एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कहा जा सकता है। रविदासजी भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु थे, उनका फकड़पन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग—युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेगी।

इंडिया गठबंधन की दशा— दिशा

—रमेश सर्राफ धमोरा—

केंद्र में सत्तारुढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए देश के 28 प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। इंडिया गठबंधन बनने से देश के लोगों को राजनीति में एक नया विकल्प तो मिला ही है। उसके साथ ही उन्हें लगने लगा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन में शामिल सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर देंगे। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सहित कई राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं। इनमें से बहुत—सी क्षेत्रीय पार्टियों की उनके प्रदेशों में सरकार भी चल रही है। इंडिया गठबंधन की कई बैठकें भी हो चुकी हैं। मगर गठबंधन में सीटों का बंटवारा नहीं होने से आपसी मनमुटाव की स्थिति बनी हुयी है।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है। ऐसे में कांग्रेस का दायित्व बनता है कि वह गठबंधन में शामिल सभी दलों को साथ लेकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारे जल्दी से करे। मगर अभी तक ऐसा हो नहीं पाया है। चूंकि देश में 10 साल बाद भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक गठबंधन बना है। इसलिए इसको सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इसका संयोजक भी बनाया जाना चाहिए था। मगर कई महीने निकल जाने के बाद भी अभी तक विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन के संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाया है। सीटों का बंटवारा नहीं होने के कारण गठबंधन में शामिल कई राजनीतिक दल नाराजगी जाहिर करने लगे हैं।

इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस द्वारा बरती जा रही ढिलाई के चलते ही बिहार में जनता दल यू गठबंधन से बाहर होकर फिर से एनडीए में शामिल हो गया है। जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार भी बना ली है। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन को बनाने वाले मुख्य राजनेताओं में शामिल थे। वह इंडिया गठबंधन के संयोजक बनना चाहते थे। मगर गठबंधन में शामिल कई दलों के नेताओं में आपसी खींचातान के चलते नीतीश कुमार संयोजक नहीं बन सके। इसी से खफा होकर उन्होंने इंडिया गठबंधन को छोड़ दिया। जीतन राम मांझी की हम पार्टी बिहार में पहले ही इंडिया गठबंधन से बाहर निकल चुकी थी।

इसी तरह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी भाजपा से गठबंधन कर इंडिया गठबंधन को अलविदा कह दिया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया गठबंधन में शामिल वामपंथी दलों से किसी भी तरह का चुनावी गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कही है। जबकि कांग्रेस वहां अधिक सीटों पर दावा कर रही थी। इससे वहां सीटों का तालमेल नहीं हो पा रहा है। ममता बनर्जी ने अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी त्रिपुरा, असम और गोवा में भी चुनाव लड़ने की बात कह रही हैं।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा नहीं होने के चलत 31 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की एकतरफा घोषणा कर दी थी। इनमें वह लोकसभा सीटें भी शामिल हैं जहां से कांग्रेस चुनाव लड़ने का दावा कर रही है। अखिलेश यादव की एकतरफा घोषणा से उनका कांग्रेस के साथ गठबंधन खटाई में पड़ता नजर आ रहा था। मगर कांग्रेस ने अखिलेश यादव की सभी शर्तें मान कर उत्तर प्रदेश में गठबंधन को टूटने से बचा लिया है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 17 सीटें दी हैं।

बिहार में राजद, कांग्रेस, वामपंथी दलों को मिलकर चुनाव लड़ना है। मगर वहां नीतीश कुमार की जदयू के गठबंधन से बाहर जाने के बाद लालू प्रसाद यादव की राजद 28 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रही है। जबकि कांग्रेस वहां 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वामपंथी दल भी वहां आठ सीटों पर दावा कर रहे हैं। ऐसे में यदि समय रहते बिहार में सीटों का बंटवारा नहीं हुआ तो गठबंधन की गांठ ढीली पड़ जाएगी। तमिलनाडु में कांग्रेस ने 2019 में द्रुमक के साथ मिलकर नौ सीटों पर चुनाव लड़कर आठ सीट जीती थी। मगर अब कांग्रेस वहां 16 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। जबकि द्रुमक कांग्रेस को 7 सीट ही देना चाहती है।

288 नव दम्पत्तियों का एक साथ रीति रिवाज के साथ हुआ सम्पन्न

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के विभिन्न ब्लाकों में शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 288 जोड़ों का विवाह धार्मिक रीति रिवाज से सम्पन्न हुआ, जिसमें अल्पसंख्यक वर्ग के 52 व अन्य वर्ग के 235 जोड़े सम्मिलित रहे। नव दम्पत्तियों को जनप्रतिनिधियों ने शासन से उपलब्ध कराए गए सामग्री किट, अंगवस्त्र, मिष्ठान व प्रमाण—पत्र प्रदान कर सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि जिले के बलरामपुर, हर्रैया सतघरवा, गैसड़ी व उतरौला ब्लाक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। चारो ब्लाकों में शनिवार को 288 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें से सदर ब्लाक में 45, हर्रैया सतघरवा में 80, गैसड़ी में 73 व उतरौला व उतरौला में 90 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। इसमें अल्प संख्यक समुदाय के 52 व अन्य वर्गों के 235 जोड़े शामिल रहे। सदर ब्लाक में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पल्टूराम ने सभी विवाहित जोड़े को शासन से उपलब्ध कराए गए सामग्री किट, अंगवस्त्र, मिष्ठान व प्रमाण—पत्र प्रदान किया। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नव दम्पत्ति को सुखद वैवाहिक जीवन की मंगल कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। विकास खंड उतरौला के परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। सामूहिक विवाह में रेहरा बाजार के 40, गैंड़ास बुजुर्ग के 12 व उतरौला विकास खंड के 50 समेत कुल 90 नव दंपतियों ने एक साथ जीने—मरने की कसमें खाई। इसमें 12 मुस्लिम जोड़ों का भी निकाह कराया गया। बाजे—गाजे के साथ सभी नव दंपति जोड़ों का पाणिग्रहण कराया गया। नव दंपतियों को बर्तन, जेवरात, कपड़ा, कंबल, ब्रीफकेस, डिनर सेट व मोबाइल फोन पुरस्कार के रूप में दिया गया। विधायक प्रतिनिधि व पत्नी सुनीता वर्मा ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रमाण—पत्र व उपहार भेंट किया। वर—वधू पक्ष के स्वजनों व मेहमानों के लिए जलपान व भोजन की व्यवस्था परिसर में ही कराई गई थी। कार्यक्रम के प्रभारी जेई राम सनेही भारती, जय प्रकाश चौरसिया, मनीष कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा। गैसड़ी ब्लॉक मुख्यालय पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में गैसड़ी व पचपेड़वा के लाभार्थी मौजूद रहे। गैसड़ी विकासखंड में 35 वर एवं वधू का रजिस्ट्रेशन हुआ था। जिसके सापेक्ष मात्र 26 जोड़ी का सामूहिक विवाह योजना के तहत शादी कराई गई। वहीं पचपेड़वा विकासखंड में 53 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया था। इसमें 47 जोड़े सामूहिक विवाह में उपस्थित हुए जिनका विवाह सम्पन्न कराया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख जगदंबा सिंह, खंड विकास अधिकारी अवनींद्र कुमार पांडेय, खंड विकास अधिकारी पचपेड़वा धनंजय सिंह, राजेंद्र प्रसाद ओझा, पप्पू मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आरक्षी बैरक में खराब ईटें लगाने पर डीएम ने लगाई फटकार

संवाददाता—देवरिया। समाधान दिवस पर शनिवार को डीएम—एसपी गौरीबाजार थाने पर पहुंचे थे। फरियादियों की समस्याओं को सुनने के बाद थाना परिसर में बन रहे सीसीटीएनएस व आरक्षी बैरक का देखा। खराब गुणवत्ता की ईंटें मिलने पर नाराजगी जताया और इसे वापस करने का निर्देश दिया। डीएम अखंड प्रताप सिंह व एसपी संकल्प शर्मा शनिवार को दोपहर में समाधान दिवस पर गौरीबाजार थाने पर पहुंचे थे। फरियादियों की समस्याओं को सुनने के बाद थाना परिसर में बन रहे सीसीटीएनएस कक्ष व आरक्षी बैरक के निर्माण सामग्री के गुणवत्ता को परखा। कार्य की गति धीमी व निर्माण में दोयम दर्जे की ईंटें लगाए जाने पर डीएम व एसपी ने ठेकेदार पर नाराजगी जताया। खराब ईंटों को अपने सामने तोड़वाया और तत्काल उसे वापस ईंट भट्ठे पर भेजने को कहा।

बाइक सवार युवक ने छात्र को मारी तीन गोलियां, गंभीर

संवाददाता—कुशीनगर। मीट खरीदने से नादह हेड चौराहे पर गए साइकिल सवार 11वीं के छात्र को बाइक सवार युवक ने गोली मार दी। उसे तीन गोलियां लगी हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक बाइक छोड़ खेतों के रास्ते असलहा लहराते भाग निकला। गंभीर रूप से छात्र को परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। उसकी हालत गंभीर देख डॉक्टर ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने दुकानदारों से घटना के बारे में जानकारी ली। नाराज लोगों ने आरोपी की बाइक फूंक दी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। कसया थाना क्षेत्र के नादह प्रीतम टोला निवासी हरिहर सिंह ने शुक्रवार की शाम 17 वर्षीय बेटे अंकुश पटेल को मीट लाने के लिए भेजा। अंकुश शाम को करीब 6 बजे साइकिल से नादह हेड चौराहा पहुंचा और मीट की दुकान पर खड़ा था। इसी दौरान बाइक से एक युवक पहुंचा और अंकुश पर पीछे से फायरिंग करने लगा। छात्र की पीठ, गर्दन और दाहिने हाथ के अंगूठे में गोली लगने से वह बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद युवक बाइक छोड़ असलहा लहराते पैदल भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस की मदद से लोगों ने घायल को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। युवक की पहचान पुलिस कर ली है वह रामकोला थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। चौराहे पर देर शाम को एसपी धवल जायसवाल, एएसपी दक्षिणी अभिनव त्यागी और सीओ कुंदन सिंह पहुंचे और दुकानदारों से पूछताछ की। छात्र के परिजन भी कुछ बताने में असमर्थ हैं। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि गोली मारने वाले युवक को हिरासत में ले लिया गया है। उसके पास से असलहा भी बरामद हुआ है। अभी तक की पूछताछ में आपसी रंजिश बताई जा रही है। इसकी जांच की जा रही है। मुकदमे की कार्रवाई चल रही है। आरोपी रामकोला थाना क्षेत्र के पथरदेवा गांव निवासी अभिजीत गोविंद राव उर्फ रवि है। मामले की जांच की जा रही है।

नगरपालिका की बैठक में कार्यों को लेकर सभासदों ने किया हंगामा

संवाददाता—देवरिया। नगरपालिका परिषद की बैठक शनिवार को नगरपालिका देवरिया सभागार में हुई। वार्डों में कामकाज की प्रकृति को लेकर सभासदों ने खूब हंगामा किया। अध्यक्ष अलका सिंह के बार बार अनुरोध व आश्वासन के बाद सभासद शांत हुए। सभासद ऋषिकेश ने सदन में वार्डों में सभासद को विश्वास में लिए बगैर सिविल मरम्मत कार्य कराने पर आपत्ति की। इसका अधिकांश सभासदों ने समर्थन किया। अध्यक्ष ने कहा कि विगत बैठक में सदन से इसकी अनुमति ली गयी थी। सभासदों ने इस पर आपत्ति जताया। उन्होंने कहा कि वार्डों में विभागीय कार्य न कराया जाय। कोटेशन के माध्यम से सभासद की सहमति से कार्य हो। इस पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। सभासदों ने बैठक की कार्यवाही सामने लिखवाने की मांग की। इसको लेकर सभासदों व अध्यक्ष में बहस भी हुई। बैठक में ईओ अंकिता शुक्ला, सभासद अमित मिश्र, सेराज अहमद, नृपेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

पीएचसी उमरिया लोगों की सेवा को किया समर्पित

संवाददाता—गोण्डा। कटरा शिवदयालगंज बाजार के निकट स्थित उमरिया गांव मे नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शनिवार दोपहर समारोहपूर्वक उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद कीर्तिवर्धन सिंह 'राजा भैया' और विशिष्ट अतिथि रमापति शास्त्री ने शिलापट का अनावरण करके केन्द्र को क्षेत्रीय जनता की चिकित्सा के लिए समर्पित किया। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। केन्द्र पर तैनात किए गए चिकित्साधिकारी और पैरा मेडिकल स्टॉफ का लोगों से सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने परिचय कराया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि मोदी और योगी की सरकार सभी लोगों को समुचित और सुगम स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में प्रचलित सभी पैथी का बेहतर नतीजा सिमपैथी के बिना नहीं आ सकती। इसलिए डाक्टर और सहयोगी स्टॉफ को मरीजों के प्रति हमेशा सिमपैथी (सहानुभूति) की धारणा बनाए रखनी चाहिए। सीएचसी अधीक्षक डॉ. विनेश त्रिपाठी ने सभी आभार प्रकट किया। पूर्व मंत्रीद्वयविधायक रमापति शास्त्री के प्रयासों मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत करोड़ों की लागत से बने पीएचसी के शुरू हो जाने से क्षेत्रीय लोग बेहद खुश दिखे। नवनिर्मित पीएचसी में विभाग ने दो डॉक्टर, फार्मेसिस्ट एव अन्य स्टॉफ की तैनाती कर दी है। साथ ही डिलिवरी प्वाइंट का संचालन भी शीघ्र शुरू करने की बात कही जा रही है।

इस मौके पर एचईओ विपिन त्रिपाठी, डॉ. आरके शुक्ला, डॉ. मनोज यादव, बाबूलाल शास्त्री, वेद प्रकाश दुबे, जनार्दन प्रसाद तिवारी, कमलेश पाण्डेय, विनोद सिंह रामापुर, पवन सिंह मझारा, अंकित सिंह, पिकू सिंह, हर्षवर्धन पाण्डेय, सूरज पाण्डेय समेत दर्जनों सीएचओ, आशा और मेडिकल स्टॉफ मौजूद रहे।

उमरिया पीएचसी परिसर में उद्घाटन समारोह के दौरान आयोजित मानसिक रोग चिकित्सा शिविर में 60 लोगो का परीक्षण, परामर्श और इलाज किया गया। डॉ. आदित्य कुमार के अगुवाई मे जिले से आई मेडिकल टीम में उमेश कुमार, तुषार डेनियल और सौरभ प्रताप सिंह शामिल रहे। डॉ. शोएब इकबाल के नेतृत्व मे आई ब्लड डोनेशन की मोबाइल वैन मे दो आशा समेत आधा दर्जन लोगों ने रक्तदान किया। सीएचसी नवाबगंज के चिकित्साधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने अन्य मरीजो का परीक्षण और इलाज किया।

शब–ए–बारात में इबादत करने वालों के माफ हो जाते हैं गुनाह –हशमती

संवाददाता—बलरामपुर। शब–ए–बरात मुस्लिम समुदाय के प्रमुख पर्वों में से एक है। यह इबादत की रात होती है। इस साल देश भर में शब–ए–बारात का त्योहार 25 फरवरी को मनाया जाएगा। यह त्योहार चांद के दिखने पर निर्भर होता है। मान्यता है कि शब–ए–बारात में इबादत करने वाले लोगों के सारे गुनाह माफ हो जाते हैं। मौलाना एजाज रजा हशमती कहते हैं कि शब–ए–बारात का अर्थ है शब यानी रात और बराअत यानी बरी होना। शब–ए–बराअत के दिन इस दुनिया को छोड़कर जा चुके पूर्वजों की कब्रों पर उनके प्रियजनों द्वारा दुआएं मगफिरत पढ़ी जाती हैं और उनके मगफिरत की दुआ मांगी जाती है। इस रात जो भी सच्चे मन से अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगता है। अल्लाह उनके लिए जन्नत के दरवाजे खोल देता है। इसलिए शब–ए–बराअत में लोग रात भर जागकर अल्लाह की इबादत करते हैं और उनसे अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। दरअसल शबे बरात की रात मुसलमानों के आखरी पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम मदीना के कब्रिस्तान जन्नतुल बकी गए थे। इसी एतबार से मुसलमान उनका अनुसरण करने लगे। इस बार शबे बराअत मनाने का सबसे बेहतर तरीका यह होगा कि लोग अपने घर या मस्जिदों में खूब नफील नमाज पढ़े, कुरान की तिलावत करें, गुनाहों से तौबा करें। क्योंकि अतिरिक्त नमाजों का पढ़ना भी नेकी कमाने का जरिया होता है। मौलाना एजाज रजा हशमती ने कहा कि इस रात में नफिल नमाजे पढना, अपने पूर्वजों के लिए दुआ–ए–मगफिरत करना और कुरान की तिलावत करना अहम माना जाता है। इस दिन घरों में महिलाएं अच्छे–अच्छे पकवान बनाती हैं। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार शब–ए–बराअत अरबी के आठवें महीने यानी शाबान के 15वीं तारीख को मनाया जाता है।

अयोध्या के रविदास मंदिर में मनाई गयी गुरु रविदास की 648 वीं जयंती

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्री रविदास मंदिर पंचायती हनुमान कुंड अयोध्या पर संत शिरोमणि गुरु रविदास का 648 वां जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में महंत बनवारीपति उर्फ ब्रह्मचारी महाराज की अध्यक्षता व उपमहंत संत निराला दास तथा उत्तराधिकारी महंत आचार्य अवधेश दास के कुशल संयोजन में मनाया गया। महंत बनवारीपति उर्फ ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रातः 4 बजे गुरु रविदास जी का जन्म हुआ।9 बजे विधि–विधान पूर्वक पूजन–आरती तथा 10 बजे से कीर्तन भजन संत–महंतों के प्रवचन तथा 1 बजे दिव्य अलौकिक ज्ञान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जयंती महोत्सव ज्ञान–गोष्ठी का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष आलोक कुमार के द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास के चित्रों पर माल्यार्पण पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलन किया गया। इस सभा को संबोधित करते हुए हमारे बीच कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कहा कि गुरु रविदास जी का विचार आज भी प्रासंगिक है उनके बताए हुए मार्ग से आज भी अगणित लोग संतुष्ट होकर आनंदित हो रहे हैं। गुरु रविदास समाज में एकता और शांति का संदेश देते हुए देश व राष्ट्र को आगे बढ़ाए हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दूसरे मुख्य अतिथि श्री कामेश्वर चौपाल सदस्य श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट अयोध्या धाम ने कहा कि गुरु रविदास में अटूट साहस था जो सर्व समाज के गरीब, असहाय, मजलूमों, पीड़ितों को करके सत्य–निष्ठा का पाठ पढ़ाते हुए सत्य मार्ग के द्वारा ज्ञान ताजिंदगी देते रहे और उन्होंने अनेक कष्टों को सहते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक कार्य भी किए हैं कार्यक्रम में मंदिर पर देश के कई प्रांत व जनपदों से शिष्यगण,भक्तगण, श्रद्धालु कई हजार की संख्या में शामिल हुए तथा देर रात्रि तक प्रसाद भी ग्रहण किया उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संत निराला दास, अवधेश दास, राम आधार दास, सरजू दास, सुधीर रंजन, राज, अमर सिंह, शांतानंद, राम लौट, सी एल गौतम, जसवंत, राम् प्रकाश, उमाशंकर, संतराम, सालिक राम, कुतूलाल, रेखा चौधरी पत्नी रामचंद्र, धर्मप्रकाश साहब, जितेंन दास, क्षत्रदास, बुधिराम दास, स्वामी दास भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव आदि प्रमुख मंदिर के महंत सम्मिलित हुए।

बंधक बना महिला से दुष्कर्म, आरोपी को भेजा गया जेल

संवाददाता—श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र से बेहद संगीन मामला प्रकाश में आया है। खेत में साग लेने गई एक मंदबुद्धि महिला को एक व्यक्ति ने बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

सोनवा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने सोनवा थाने में तहरीर देकर एक व्यक्ति पर उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया। जिसके अनुसार उसकी मंदबुद्धि पत्नी गुरुवार को साग लेने गांव से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में गई थी। इस दौरान इसी थाना क्षेत्र के लालकैन्दुआ निवासी ओमकार पुत्र जानकी प्रसाद वहां आया और महिला को अकेली पाकर उसका हाथ पकड़ कर अपने साथ खींच ले गया। इसके बाद उसने महिला को बंधक बना लिया और कई बार उससे साथ दुष्कर्म किया। महिला किसी तरह से ओमकार के चंगुल से छूटकर भागते हुए घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इस पर पति की ओर से सोनवा थाने में तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर शनिवार को आरोपी ओमकार को जेल भेज दिया। श्याम देव चौधरी, एसएचओ ने कहा कि महिला के पति की तहरीर पर आरोपी ओमकार के विरुद्ध दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

व्यंजन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को मिला पुरस्कार

संवाददाता—श्रावस्ती। मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों ने तरह–तरह के व्यंजन मिलेट्स से तैयार किए और स्टाल लगाकर लोगों को खिलाया। रेसिपी कार्यक्रम में करीब 700 से अधिक लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द लिया गोपनीय वोटिंग कर अंक दिया। अंकों के आधार पर प्रतिभागियों में से विजेताओं का चयन किया गया। इसमें बाराबंकी से प्रतिभाग करने वाले कैटर्स टीम को पहला पुरस्कार दिया गया।

इसी तरह स्वयं सहायता समूह श्रेणी के तहत पहला, दूसरा व तीसरा पुरस्कार दिया गया। उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्रतिभागियों में से तीन को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया गया। प्रथम पुरस्कार की धनराशि 3000, द्वितीय पुरस्कार की धनराशि 2000, व तृतीय पुरस्कार की धनराशि 1000 रुपये सीधे प्रतिभागियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी।

सड़क हादसों में तीन युवक गंभीररूप से घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। नेशनल हाइवे 730 पर हुई दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग गंभीररूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां से दो घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इकौना थाना क्षेत्र के जयचन्दपुर कटघरा स्थित पेट्रोलपम्प के सामने नेशनल हाइवे पर शनिवार को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार जनपद बहराइच थाना पयागपुर के ग्राम मलावां निवासी राम केवल विश्वकर्मा पुत्र फेरन गंभीररूप से घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इकौना में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद घायल राम केवल को जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। इसी तरह शुक्रवार रात में कोतवाली भिनगा के ग्राम नौबस्ता निवासी संतोष कुमार पुत्र राम उजागर व थाना गिलौला क्षेत्र के ग्राम अफजल नगर निवासी विनय कुमार बाइक से इकौना की ओर जा रहे थे। रास्ते में मुर्गी फार्म इकौना देहात के पास बाइक तांगे से टकरा गई। इससे दोनों घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां संतोष की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया।

दो साल से बेसिक शिक्षा और बिजली विभाग के बीच लिखा-पढ़ी में उलझा मामला

संवाददाता—गोंडा। जिले में स्थित 206 बेसिक स्कूलों के ऊपर से बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इनमें 100 विद्यालयों का निर्माण होने के बाद उनके ऊपर से एचटी लाइन खींची गई है। इसके लिए शिक्षा विभाग कई बार बिजली अफसरों को सूची सौंप चुका है लेकिन स्थिति जस की तस है। शासन के निर्देश पर करीब एक हफ्ते पहले बेसिक शिक्षा विभाग ने दोबारा सूची भेजी है। इस संबंध में बिजली अफसरों का कहना है कि स्टीमेट बनाकर विभाग को भेजा जाएगा। जिले के करीब 26 सौ परिषदीय विद्यालयों में चार लाख से अधिक छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं। इनमें 206 स्कूलों में नौनिहाल खतरों के साये में पठन–पाठन करते हैं। गौरतलब है कि देवीपाटन मंडल के बलरामपुर जिले में करीब पांच वर्ष पहले हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिरने से कई छात्र करंट की चपेट में आ गए थे। इसके बाद भी हाईटेंशन लाइनों को शिफ्ट करने की कवायद सिर्फ कागजों में हो रही है। जिला समन्वयक विद्याभूषण मिश्रा ने बताया कि बिजली विभाग को जिले के ऐसे 206 विद्यालयों की सूची भेजी गई। बेसिक शिक्षकों का कहना है कि कई बार तेज हवाएं चलने पर तार स्कूलों की छतों को छूने लगते हैं। इस संबंध में कई बार बीईओ के जरिए अफसरों को जानकारी दी गई लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। झंझरी ब्लॉक के पथवलिया कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि प्रधान ने बिजली विभाग को विद्यालय के ऊपर से गुजरी 11 हजार की लाइन को शिफ्ट करने के लिए पत्र भी लिखा था लेकिन समस्या जस की तस है। बेलसर के धनईपुर्दी के प्रधानपति शिवकुमार शुक्ल ने बताया कि पाठकपुरवा स्थित बेसिक स्कूल के ऊपर गुजर रही लाइन को हटाने के लिए कई बार लिखित और मौखिक रूप से सूचना दी जा चुकी है। ब्लॉकवार स्कूलों की संख्याः शिक्षा विभाग की ओर से सौंपी गई सूची में परसपुर ब्लॉक के 23, इटियाथोक के 22, झंझरी व बेलसर के 17–17, , बभनजोत, रुपईडीह व वजीरगंज के 15–15 स्कूल शामिल हैं। वहीं, तरबगंज व मुजेहना में 12–12, कटरा बाजार व मनकापुर में 9–9, छपिया, पंडरी कृपाल व हलधरमऊ में 7–7, करनैलगंज में 6, नवाबगंज में पांच बेसिक स्कूलों के ऊपर एचटी लाइन गुजर रही है।

भजन साधना के प्रतिमूर्ति थे करतलिया बाबा, उनकी साधना से कनक बिहारी सरकार का वस्त्र भी भीग गया

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। प्राचीन प्रसिद्ध संत श्री करतलियाबाबा आश्रम संत तुलसीदास घाट अयोध्या धाम में सरयु तट स्थित करतलियाबाबा अनुमानित ढाई सौ वर्ष पहले मां जगत जननी न पतित पावनि मां सरयू तट पर दुग्ध व सरयू जल पीकर भजन तपस्या करते थे राम नाम में लीन अनेकों चमत्कारिक कार्य होता था कुछ शिष्यों के साथ लकड़ी के घर में निवास करते थे कभी कभी सरयू नदी में बाढ आ जाता आश्रम में भी पानी भर जाता बहुत संत बाबा से निवेदन करते बाबा गांव में चले आपका सब व्यवस्था वहा कर देते हैं किन्तु बाबा सरयू तट नही छोड़ते तख्ता चौकी पर आसन रख निरन्तर सीताराम सीताराम की धुन में मस्त रहते थे अयोध्याधाम वासी संत महान्त गृहस्थ सज्जन सब बाबाजी को बड़े श्रद्धा से संमान देते।

वर्तमान महंत बाल योगी रामदास महाराज ने बताया कि पूज्य गुरुदेव नित्य हनुमानगढ़ी कनक भवन दर्शन करने जाते एक दिन कनक भवन में कनक बिहारी सरकार के सम्मुख सीताराम नाम में लीन करताल बजा कर नाच नाचकर भावविभोर थे बाबा जी पसीना से लथपथ सीताराम नाम में मग्न थे अचानक कनक बिहारी सरकार के पुजारी मंदिर से बाहर आकर बताये की भगवान श्री सीताराम जी के पोशाक भीगा हुआ है यह चमत्कार देख पुजारी घबरा घबरा गए यह कैसे हो हुआ उसी समय हनुमानगढ़ी के बसंतिया पट्टी गुलचमनबाग के परम भजनानंदी संत महान्त श्री बुलबुली बाबा पहलवान एवं काशी से दर्शन करने आए त्यागी बाबा महान्त बासुदेव दास महाराज आदि संत भी दर्शन करने आए थे पूज्य करतलिया बाबा को पसीने तर वस्त्र देख पुजारी से बताऐ देखो करतलिया बाबा को शायद ठाकुर का पोशाक भीगने का चमत्कार सभी संतो ने करतलिया बाबा से आग्रह किए कुछ विश्राम किजिए ठाकुर जी पसीने से भीगे हुए हैं तब बाबा बैचकर संकीर्तन करने लगे कुछ देर बाद ठाकुर जी कनक बिहारी सरकार का पोशाक भी सुखा हुआ दिखने लगा। ऐसा अनेकों चमत्कार बाबाजी के साथ होता रहता था बाबाजी अपने माथे पर भी तिलक चंदन में सीताराम लिखते प्रातः तीन बजे नित्य सरयु तट पर जोर जोर से सीताराम सीताराम गाते जिससे अयोध्या वासी संत जाग जाते और सब सन्त ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करते भजन पुजा पाठ कर अपने अपने स्थान चले जाते किन्तु आदरणीय गुरुदेव करतलिया बाबा अपने साधना भजन धून में मग्न रहते।

एक समय सरयू माता बड़े रौद्र रुप में बाढ लेकर आयी चारो तरफ पानी ही पानी यह सब देखकर अवध वासी कुछ संतो गृहस्थो ने सिद्ध संत श्री करतलिया बाबा से विनय पूर्वक कहा गुरुदेव अगर आप मां सरयु से प्रार्थना करेंगे तो माता सरयू अपना यह रौद्र रुप शान्त कर लेंगे यह बात सभी संतो का सुन सिद्ध संत श्री करतलिया बाबा जी माता सरयू से प्रार्थना किए मां अपना यह रौद्र रुप से सभी को क्यो दुख दे रही हो शान्त हो जाइए तत्काल ही माता सरयू शान्त हो गए और अवध वासी बाबा का जयघोष करने लगे उस समय जिला मजिस्ट्रेट गया प्रसाद थे जो यह सब देखकर बहुत प्रभावित हुए ओर उन्होंने अपने मित्रो के साथ मिलकर करीब पच्चीस तीस कमरे लकड़ी का बनवाकर आश्रम में रहने वाले संतो के लिए कमरा बनवाकर करतलिया बाबा को अर्पण किया जहा सैकड़ों संत निवास भजन जप संकीर्तन करते उनके साकेत वास के बाद गुरुदेव श्री मौनी बाबा हुए तत्पश्चात तीसरे पीढ़ी में स्वामी योगीराज महाराज महंत हुए जो अपने प्रिय शिष्य बाल योगी रामदास को आश्रम का महंत बनाया उन्हें के निर्देशन में रविवार को श्री महाराज जी की 38 वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी रामदास नित्य बंदरों को भोजन करते हैं गरीबों को भोजन करते हैं और जाड़े में गरीबों को कंबल बांटते हैं करतलिया बाबा के सेवा को आगे बढ़ा रहे हैं।

जिले में 120 किमी लम्बी सुआंव नदी का होगा जीर्णोद्धार

संवाददाता—बलरामपुर। बलरामपुर नगर के बीचोबीच से निकलने वाली 120 किमी लम्बी सुआंव नदी का अब जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए पूरी रणनीति तैयार कर ली गई है। इस नदी को 20 मीटर चौड़ा किया जाएगा। साथ ही इसे अतिक्रमणमुक्त भी किया जाएगा। नदी के किनारे बांध बनाने के साथ–साथ उस पर पौधरोपण भी कराया जाएगा। इस कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए जिलाधिकारी अरविंद सिंह की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति का भी गठन कर लिया गया है। इसमें कई विभाग शामिल हैं। जिलाधिकारी ने इसमें शामिल विभाग के अधिकारियों से इस परियोजना का ऑगणन तैयार कराने का निर्देश दिया है। ऑगणन लगभग तैयार हो गया है, जिसे शासन को जल्द ही भेज दिया जाएगा।

नगर के बीचोबीच से अब तक बहने वाली सुआंव नदी को लोग एक नाले के रूप में जानते थे। एनजीटी की विगत दिनों आयोजित हुई बैठक में सुआंव नाले के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध चर्चा हुई। जिसके बाद राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) नई दिल्ली ने इसे नाला नहीं बल्कि एक नदी घोषित किया। जानकारों की मानें तो गोंडा के एक गजेटियर में भी सुआंव नाले का नाम नदी के रूप में दर्ज है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने इसके जीर्णोद्धार का बीणा उठाया। पिछले 19 फरवरी को जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड एवं सरयू ड्रेनेज खंड–2 बलरामपुर को एक पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने कहा कि सुआंव नदी के जीर्णोद्धार के लिए उनके निर्देशन में जिला गंगा समिति का गठन किया गया है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में समिति की बैठकों का आयोजन किया गया। जिसमें बाढ़ खंड बलरामपुर एवं सरयू ड्रेनेज खंड–2 को संयुक्त रूप से नदी का सर्वे कार्ययोजना तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि सुआंव नदी को विकसित करने की जो कार्ययोजना तैयार की गई है, इसमें कई विभागों को शामिल किया गया है। अलग–अलग विभागों को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गई है। इस नदी को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। साथ ही यह जिस शहर और गांव से निकलती है, उसका ड्रेनेज सिस्टम इससे जोड़ा जाएगा, जिससे नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुआंव नदी बलरामपुर–श्रावस्ती सीमा के गोपियापुर गांव से निकलती है। जानकार बताते हैं कि सुआंव नदी राप्ती नदी से ही निकलती है। यहां से यह शहर को दो भागों में बांटते हुए उतरौला के रसूलाबाद तक जाती है। रसूलाबाद गांव बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जनपद की सीमा पर है। इसकी लम्बाई करीब 120 किमी है। प्रशासन की जो तैयारी है, उसके अनुरूप इसके बगल में बंधे का निर्माण कराया जाएगा। जिन लोगों ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नदी के किनारे अतिक्रमण कर रखा है, उसे हटाया जाएगा। शहर और ग्रामीण क्षेत्र के ड्रेनेज सिस्टम को इससे जोड़ने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। जो जमीन वन विभाग के क्षेत्र में आ रही है, वहां पौधरोपण कराया जाएगा। नगर क्षेत्र में ईओ नगर पालिका इस पर काम करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में डीपीआरओ मनरेगा के तहत कार्य कराएंगे।

सुआंव नदी के जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी अरविंद सिंह की अध्यक्षता में गंगा समिति का गठन किया गया है। इसमें प्रभागीय वनाधिकारी सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग को संयोजक के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा सीडीओ संजीव कुमार मौर्य, सीएमओ डा. मुकेश कुमार रस्तोगी, क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बस्ती, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, बलरामपुर, जिला पंचायत राज अधिकारी बलरामपुर को सदस्य नामित किया गया है। इसी तरह इस समिति में अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग बलरामपुर व अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड–प्रथम बलरामपुर तथा महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र बलरामपुर को भी सदस्य नामित किया गया है। इसके अलावा वनस्पति विभाग के विशेषज्ञ डा. दिग्य दर्शन तिवारी सहित दो लोगों को नामित सदस्य मनोनीत किया गया है। सुआंव नदी के जीर्णोद्धार को लेकर अब आगामी 26 फरवरी को एक बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिला गंगा समिति की होगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अरविंद सिंह करेंगे। इसमें विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में एडीएम न्यायिक, डीएफओ, ईओ, डीपीआरओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। अरविंद सिंह, जिलाधिकारी ने कहा कि सुआंव नदी के जीर्णोद्धार के लिए कार्ययोजना तैयार कराई जा रही है। इसका ऑगणन भी लगभग तैयार हो रहा है। इस नदी के जीर्णोद्धार होने से शहर और इसके आस पास के ग्रामीण इलाकों में लोगों को जलभराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी। यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है, जिस पर पूरी गंभीरता के साथ काम किया जा रहा है।

गोरखपुर मंडल के सात स्टेशनों का होगा शिलान्यास, 143 परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता–गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को अमृत स्टेशन योजना के तहत पूर्वोत्तर रेलवे के गोमतीनगर स्टेशन का लोकार्पण व 31 स्टेशनों का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा 111 ओवरब्रिज व अंडरपास का शिलान्यास, उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पण किया जाएगा। इस दौरान कुल 143 परियोजनाओं की सौगात प्रधानमंत्री एनईआर को देंगे।

जिन स्टेशनों का शिलान्यास होना है, उसमें गोरखपुर क्षेत्र के सिद्धार्थनगर, स्वामी नारायण छपिया, खलीलाबाद, आनंदनगर जंक्शन, सलेमपुर जंक्शन, भटनी जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन शामिल हैं।

सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि बढ़नी स्टेशन को 15.05 करोड़, रामघाट हाल्ट को 08.02 करोड़, सिद्धार्थनगर को 11.18 करोड़, स्वामी नारायण छपिया को 12.13 करोड़, खलीलाबाद को 09.92 करोड़, आनंदनगर को 10.28 करोड़, सलेमपुर को 15.12 करोड़, भटनी को 42.62 करोड़ और कप्तानगंज जंक्शन को 20.73 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जाएगा। अमृत स्टेशन योजना में आगामी 50 वर्षों की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इसमें स्टेशन फसाड, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, प्रसाधन, लिफ्टएस्कलेटर, 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे।

नए फुट ओवरब्रिज वर्तमान फुटओवर ब्रिजों की तुलना में लगभग चार गुना चौड़े होंगे। इसके अलावा पार्किंग एवं सौर ऊर्जा का उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल भवन आदि योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। स्टेशनों पर उन्नत यात्री सूचना प्रणाली, एग्जीक्यूटिव लाउंज और अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप साइनेज का प्रावधान होगा स्टेशनों की सुंदरता के लिए आकर्षक फसाड लाइट लगाई जाएगी।

एनईआर के लखनऊ मंडल के 21, वाराणसी मंडल के 41 और इज्जतनगर मंडल के 49 रोड ओवर ब्रिज व अंडरपास का शिलान्यास, उद्घाटन किया जाएगा। इन ओवरब्रिज व अंडरपास के निर्माण से ट्रेनों के समय पालन में सुधार के साथ ही सड़क से आवागमन करने वालों को भी राहत होगी। सांसद रवि किशन शुक्ला ने 26 फरवरी को होने वाले रेलवे स्टेशन, ओवरब्रिज व अंडरब्रिज आदि के लोकार्पण, शिलान्यास व उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश के विकास के लिए नई–नई परियोजनाएं शुरू करते रहते हैं। देश में रेलवे के नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने अमृत स्टेशनों के निर्माण की योजना शुरू की।

बताया कि गोरखपुर के ग्राम नैनसर रोड स्थित आरयूबी संख्या 12, ग्राम करमाहवां रोड स्थित आरयूबी 18 और नौतनवा रोड स्थित आरयूबी 166 के लोकार्पण से गोरखपुर के लोगों को राहत मिलेगी। सांसद ने गोमतीनगर से गोड्डा के बीच शुरू होने वाले साप्ताहिक ट्रेन के लिए सरकार के प्रति आभार जताया है। इस ट्रेन का ठहराव गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर भी दिया गया है।

मरीज–माफिया के नेटवर्क को ध्वस्त करेगी पुलिस, चलेगा अभियान

संवाददाता–गोरखपुर। मरीज माफिया के नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस, गोरखपुर की तर्ज पर पड़ोसी जिलों महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया में भी अभियान चलाएगी। इसके लिए डीआईजी आनंद कुलकर्णी ने रेंज के तीन अन्य जिलों के पुलिस कप्तान को पत्र भेजकर अभियान चलाने का निर्देश दिया है। पत्र में गोरखपुर में हुई कार्रवाई का जिक्र करने के साथ ही जांच का तरीका भी समझाया गया है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम इस मुहिम को मिलकर अंजाम तक पहुंचाएगी।

गोरखपुर में मरीज माफिया पर कार्रवाई होने के बाद आसपास के जिलों में भी हड़कंप मचा है। अधिकारियों को सूचना मिली थी कि देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज में भी कई ऐसे ही फर्जी तरीके से नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं। बिना डॉक्टर के ही मरीज को भर्ती किया जाता है और फिर मरीज की जान जाने के बाद ही जानकारी दी जाती है।

डॉक्टर के नाम पर अस्पताल का पंजीकरण है, वह कभी आते ही नहीं। कई कस्बों में पंजीकरण न होने के बाद भी अस्पताल का बोर्ड लगाकर मरीजों को ठगा जा रहा है। डीआईजी ने इसका संज्ञान लेते हुए तीनों जिले के एसपी को संयुक्त टीम गठित कराने को कहा है, जिससे ऐसे लोगों पर शिकंजा कसा जा सके। मरीज व एंबुलेंस माफिया पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट शासन को भी भेजी जाएगी।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज से मरीज की खरीद–फरोख्त के मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद अब नामजद आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस की टीम रात के समय तलाश में घरों पर दबिश देने पहुंची तो आरोपी फरार मिले। तीन हॉस्पिटल के संचालक व एंबुलेंस माफिया के जेल जाने के बाद हड़कंप की स्थिति है। ईशु हॉस्पिटल की संचालक रेनू के अलावा मनोज निगम के न्यायालय में समर्पण करने की सूचना पर पुलिस ने वहां भी पहरा बैठा दिया है।

पुलिस ने 10 संदिग्ध अस्पतालों की जांच शुरू की तो इसमें से कई पर ताला बंद मिला है। वहीं, सीएमओ दफ्तर भी कई डॉक्टर अब पहुंचने लगे है कि पुराने जगह पर उनके नाम का इस्तेमाल किया गया है। अब उनका अस्पताल से नाता नहीं है। पुलिस ने इधर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है तो डीआईजी ने इसे देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज पुलिस को भी कार्रवाई का आदेश दे दिया गया है।

डीआईजी आनंद कुलकर्णी ने बताया कि रेंज के सभी जिले में मरीज माफिया पर कार्रवाई का निर्देश पुलिस को दिया गया है। गोरखपुर में हुई कार्रवाई में कई मामले सामने आए है। इसी तरह अन्य जिले में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर अभियान चलाकर कार्रवाई को पत्र लिखा गया है।

प्रतिदिन दिल्ली से आते हैं रामलला के खास डिजाइन के परिधान

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से खास डिजाइनर परिधान श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से बनवाए जा रहे हैं। इसके लिए ड्रेस डिजाइनर मनीष त्रिपाठी को अनुबंधित कर लिया गया है। डिजाइनर त्रिपाठी ने प्राण प्रतिष्ठा के समय अपनी पूरी टीम के साथ यहां रहकर मुख्य पर्व के साथ अगले सात दिनों के लिए रामलला का परिधान तैयार किया था। यह परिधान बनारसी सिल्क के साथ सोने व चांदी की जरी से युक्त बनाया गया था। यह परिधान काफी भारी है इसलिए सामान्य दिनों के लिए थोड़ा हल्के परिधान बनाए जा रहे हैं। यह परिधान प्रतिदिन दिल्ली से यहां भेजा जाता है। इस परिधान को दिल्ली से राम मंदिर तक लाने में सीआईएसएफ की बड़ी भूमिका है। उन्हीं की मदद से प्लेन से यह परिधान भेजा जा रहा है। रामलला के परिधान लेकर अयोध्या पहुंचे डिजाइनर त्रिपाठी ने शहिन्दुस्तानश से बातचीत में बताया कि रामलला के परिधान की जिम्मेदारी मिलना हमारे सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि वह चक्रवर्ती नरेश के पुत्र हैं, तो उनके परिधान में विशिष्टता होनी चाहिए। इसके अलावा देश–विदेश के करोड़ों भक्तों की भावनाएं भी उनसे जुड़ी हैं, इन सभी बातों का ध्यान रखकर बुनाई से लेकर कढ़ाई तक पर विचार करना सबसे कठिन है। फिर भी रामलला की प्रार्थना कर उनके द्वारा सौंपी गयी जिम्मेदारी को निर्वाह करने का प्रयास कर रहा हूं। वह बताते हैं कि रामलला के लिए हर दिन के अनुसार अलग–अलग रंग के परिधान बनाए जा रहे हैं और हर दिन के परिधान की फैब्रिक व डिजाइन भी अलग–अलग रखा जा रहा है। डिजाइनर त्रिपाठी का मानना है कि रामलला से बड़ा आइडल दुनिया के लिए दूसरा नहीं हो सकता है इसलिए उनके माध्यम से भारतीय वस्त्र उद्योग को विश्व पटल पर पहुंचाने पर भी विचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि एक मशीने के मध्य भगवान के लिए बने परिधानों में बनारसी सिल्क का प्रयोग हुआ है। इस समय चंदेरी पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि रामलला के सभी परिधान हथकरघा उद्योग के जरिए ही तैयार किया जा रहा है। इस कार्य में कारीगरों की पूरी टीम है जो कि दो से तीन दिनों में पोशाक का निर्माण करती है। इस परिधान के लिए प्रेस मशीन से लेकर सबकुछ अलग है। उनका कहना है रामलला के परिधानों के निर्माण से भारतीय टेक्सटाइल को भी खासा लाभ होगा और दुनिया को भारत के विभिन्न प्रांतों के टेक्सटाइल के वस्त्रों से भी लोग परिचित होंगे। इससे उनकी मांग भी बाजार में बढ़ेगी। राम मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के पहले से डिजाइनर मनीष त्रिपाठी विराजमान रामलला के लिए परिधान तैयार कर रहे थे। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ने जब रामलला के पांच वर्ष की आयु के बालक के विग्रह के निर्माण का निर्णय लेकर मूर्तिकारों को जिम्मेदारी दी तो फिर श्री त्रिपाठी यहीं अयोध्या आ गये क्योंकि उन्हें रामलला के परिधान के लिए उनकी सटीक नाप लेनी थी। उन्होंने मूर्तिकारों के द्वारा विग्रह निर्माण के बाद पहले तीनों विग्रहों की अलग–अलग नाप ली और फिर विग्रह चयन की प्रतीक्षा की। रामलला के विग्रह के चयन के बाद दोबारा चयनित विग्रह की नाप कराई गयी। उसके बाद परिधान तैयार किए गए।

सीएम योगी ने यूपी पुलिस परीक्षा को किया निरस्त, सांसद रवि किशन बोले- महाराज जी सर्वहितों के रखवाले हैं

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि यूपी पुलिस परीक्षा को निरस्त किया जाता है। ऐसे में हजारों युवाओं को बड़ी राहत मिली है। युवा लगातार परीक्षा का पेपर लीक और धांधली का आरोप लगाकर प्रदर्शन कर रहे थे। सीएम योगी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यूपी पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर चयन के लिए आयोजित परीक्षा–2023 को निरस्त करने तथा आगामी 06 माह के भीतर ही पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं। परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है। इसे रीट्वीट करते हुए गोरखपुर सांसद रवि किशन ने योगी योगी की तारीफ की है। उन्होंने लिखा कि जन जन के भाव का सम्मान करने वाले हैं, महाराज जी (सीएम योगी) सर्वहितों के रखवाले हैं।

तैयारियां पूरी, 26 को वर्चुअल उद्घाटन करेंगे पीएम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। रेलवे स्टेशन पर 26 फरवरी को होने वाले उद्घाटन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उद्घाटन के समय दो हजार लोगों को बैठने की व्यवस्था की गई है। नौगढ़ रेलवे स्टेशन पर सांसद जगदंबिका पाल मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे। स्टेशन मास्टर कृष्ण कुमार मौर्य ने बताया कि अमृत भारत के तहत पूरे भारत में 554 रेलवे स्टेशन पर कार्य चल रहा है। जिसके तहत सिद्धार्थनगर जिले के रेलवे स्टेशन पर भी ऑनलाइन उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। रेलवे स्टेशन पर दो हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसमें सांसद जगदंबिका पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, नगरपालिका के अध्यक्ष गोविंद माधव व सदर विधायक श्यामधनी राही मौजूद रहेंगे। जबकि जिले के अन्य वरिष्ठ नागरिक भी मौजूद रहेंगे। स्टेशन अधीक्षक डीके उपाध्याय ने बताया कि सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया है। सुबह 10 बजे से ही कार्यक्रम का शुभारंभ हो जाएगा। उसके बाद लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण देखेंगे। उसके बाद पत्र लेखन, निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सफल छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

चलेंगी डबल डेकर बसें, होली के पहले और बाद में यूपी के हर शहर से होगी डायरेक्ट बस सेवा

संवाददाता–अयोध्या। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या में जल्द ही डबल डेकर बसों का संचालन शुरू होगा। इससे यहां पर आवागमन के संसाधनों को और विस्तार मिलेगा। रामनगरी से गोरखपुर, लखनऊ, काशी और प्रयागराज के लिए ई–बस सेवा शुरू होगी। होली पर्व के मौके पर चार दिन पहले से चार दिन बाद तक पूरे प्रदेश में स्पेशल बसें चलाई जाएंगी।

परिवहन राज्यमंत्री सिंह ने शनिवार को एक बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश–विदेश से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। रोजाना दो से चार लाख तक रामभक्त यहां आ रहे हैं। ऐसे में परिवहन विभाग ने यहां पर आवागमन के बेहतर व्यवस्था देने के सभी प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी यही मंशा है कि रामनगरी में नागरिक परिवहन व्यवस्था ऐसी हो जो अन्य महानगरों के लिए नजीर बने।

राज्यमंत्री के अनुसार देश के विभिन्न प्रांतों से आस्था स्पेशल ट्रेनों से आ रहे रामभक्तों के लिए रेलवे स्टेशनों पर 250 ई–बसें लगाई गई हैं। इन बसों से रोजाना हजारों श्रद्धालुओं को टेंट सिटी तक पहुंचाया जा रहा है। फिर उन्हें दर्शन कराने के लिए टेंट सिटी से राम मंदिर के करीब तक पहुंचाने का भी प्रबंध किया जा रहा है। इसके अलावा शहर में 350 ई–बसों का संचालन किया जा रहा है। प्रभु श्रीराम के धाम में किसी भी यात्री को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि कांग्रेस व सपा पहले भी गठबंधन कर चुके हैं। सपा व बसपा भी एकजुट हुए थे। कोई ऐसा दल नहीं बचा जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गठबंधन न किया हो। इसके बावजूद मोदी लहर को ये लोग कभी नहीं रोक पाए। इस बार तो मोदी की सुनामी बहेगी, जिसमें सभी विपक्षी दल बह जाएंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी स्वयं अपनी सीट छोड़कर केरल भाग गए थे। इस बार उनकी माता जी जो यूपी से कांग्रेस की एकमात्र सांसद थीं, वे भी रायबरेली छोड़कर राज्यसभा के लिए राजस्थान चली गईं। जो नेता खुद मैदान छोड़कर भाग जाएगा वो अपने समर्थकों को कैसे जीता पाएगा। मोदी–योगी की डबल इंजन की सरकार में यूपी में 80 में से 80 सीटें भाजपा ही जीतेगी।

हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी ने हड़पे 89 हजार रुपये

संवाददाता–गोरखपुर। महिन्द्रा हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन मैनेजर पर 89 हजार रुपये के गबन का आरोप लगा है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने एसएसपी से शिकायत दी तो शुक्रवार को शाहपुर पुलिस ने कलेक्शन मैनेजर आकाश पाठक के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। शाहपुर इलाके के असुरन मेडिकल रोड पर महिंद्रा हाउसिंग फाइनेंस कंपनी की शाखा है। शाखा के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजेश कुमार शाही ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शाखा में देवरिया जनपद के वार्ड नंबर दो का आकाश पाठक कस्टमर कलेक्शन मैनेजर है। उसका काम कस्टमर से किस्त लेकर रसीद देना और धनराशि को कंपनी में जमा कराना था। कलेक्शन मैनेजर ने ग्राहकों से धनराशि ली। लेकिन कंपनी में जमा नहीं कराया। कुछ ग्राहकों की शिकायत पर जांच कराई गई तो 89,100 रुपये का हिसाब नहीं दिया। रुपये जमा कराने के लिए कहा गया तो अभद्र व्यवहार करने लगे और जान से मारने की धमकी देने लगे। वह दिसंबर 2023 से फरार है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

राज्य सम्मेलन को लेकर इनौस ने बैठक कर बनाई रणनीति

संवाददाता–अयोध्या। इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) पूरा ब्लाक स्तरीय कार्यकर्ता बैठक युवा नेता राजेश वर्मा के संयोजन में अंकवारा में सम्पन्न हुई। बैठक में 10 और 11 मार्च को लखनऊ में आयोजित आरवाईए के राज्य सम्मेलन की तैयारी तथा नौ मार्च को पूरा ब्लाक सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। इसके पूर्व रोजगार के सवाल पर युवाओं के बीच सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक अजय शर्मा चंचल ने कहा कि पिछले दस साल के शासन काल में मोदी सरकार ने देश में बेरोजगारों की फौज खड़ी कर दी है। 30 लाख से ज्यादा खाली पदों को दस साल में नहीं भरा गया। रेलवे में तीन लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं लेकिन सरकार इसे भरने के बजाय निजीकरण करने में लगी है और बड़े पैमाने पर ठेकाकरण किया जा रहा है। सेना में अग्नीवीर योजना लाकर नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

सहसंयोजक राम सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार रोजगार देने के वादे के साथ सत्ता में आई थी लेकिन युवाओं को सिर्फ पेपर लीक मिला। हाल ही में आयोजित आरवो/एआरओ परीक्षा के साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस का भी पेपर लीक हो गया। बैठक में अमरनाथ वर्मा, सुखदेव वर्मा, सभाजीत वर्मा, सुखराम, उत्तम कुमार कनौजिया, राजमणि कनौजिया, अवध कुमार, अर्जुन विश्वकर्मा, ननकन, नन्द कुमार, विजय कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, पप्पू सोनकर आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद, किसान महासभा के संयोजक उमाकांत विश्वकर्मा भी मौजूद थे।

एनएसएस के स्वयंसेवकों को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ

संवाददाता–गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से द्वि–साप्ताहिक मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत शनिवार को मतदाता जागरूकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुभाष पीडी ने छात्र–छात्राओं को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई। मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा अपनों के नाम सुधारने का आग्रह किया। मुख्य नियंता प्रो. सीपी गुप्ता ने कहा कि सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही प्रयोग से सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। प्रो एमएच खान ने कहा कि लोकतंत्र के निर्माण में हर वोट महत्वपूर्ण होता है।

स्वीप नोडल अधिकारी व निर्वाचक अग्रदूत डॉ जेके पांडेय ने कहा कि यह कार्यक्रम अधिक से अधिक मतदाताओं के पंजीकरण के लिए तथा युवा मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने नए छात्र–छात्राओं को मतदाता पहचान पत्र बनाने के प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर डॉ. हरिकेश कुमार, शिवांगी श्रीवास्तव, निर्वाचन योद्धा आदित्य पांडेय, स्वयंसेवक प्रांजल गौतम, नारायण द्विवेदी, वारिसा सिद्दीकी, आकाश, आदर्श, निखिल दूबे, अंकुर मिश्र आदि मौजूद रहे।

स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी में 30 वैज्ञानिकों को अवार्ड देकर किया गया सम्मानित

संवाददाता–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में बदलती जलवायु के तहत सब्जी उत्पादन में तकनीकी नवाचार विषय पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। विवि में 37 वर्षों के बाद गोल्डेन जुबली राष्ट्रीय संगोष्ठी को मनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिसमे देश एवं प्रदेश स्तर के वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कृषि जगत में सब्जी विज्ञान के क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाले 30 वैज्ञानिकों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। डा. कीर्ती सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2021, डा. अनिलआभा दास मुंशी और डा. प्रणव हजारा को 2022 डा. कीर्ती सिंह लाइफ अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।मुख्यअतिथि डा. आर.एस परौदा को कुलपति ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गोल्डेन जुबली सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक एवं पदमश्री से सम्मानित डा. आर.एस परौदा ने कहा कि विदेशों से आयात हुए बीजों के साथ कुछ विषाणु जनित रोगों का आना वर्तमान समय में प्रमुख समस्या है। इसके लिए हमें कम मात्रा विदेशों से बीजों का आयात करना चाहिए। दो वर्ष तक परीक्षण करने के पश्चात ही उपयोग में लाना चाहिए। किसानों के लिए अच्छे गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लिए प्राइवेट बीज कंपनियों तथा सरकारी संस्थाओं को सहभागिता के साथ कार्य करना होगा। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी मुख्य समस्या से उबरने के लिए संरक्षित खेती पर जोर देना होगा। डा. परौदा ने बताया कि मुख्यमंत्री को दूर करने तथा पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए सब्जी एक मुख्य विकल्प है। जिसके उत्पादन के साथ–साथ उपभोग करने में भी भारत एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत विदेशों में सब्जियों को निर्यात करने में एक सक्षम देश बन चुका है। वर्तमान समय में सब्जियों के जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है।

कृषि जगत में सब्जी विज्ञान के क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाले 26 वैज्ञानिकों को आईएसवीएस फेलो अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। जिसमें कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह, डा. सुधाकर पांडेय, डा. सुधाकर पांडेय, डा. मेजर सिंह, डा. नीरजा प्रभाकर, डा. राजेश कुमार, डा. एन.सी गौतम, डा. डीपी सिंह, डा. उमेश श्रीवास्तव, डा. मथुरा राय, डा. पी.एस, नायक, डा. के.वी लवांडे, डा. नजीर अहमद, डा. टी.आर गोपालाकृष्णन, डा. ए.पी राय, डा. एस.आर शर्मा, डा. सुधीष जोशी, डा. प्रीतम कालिया, डा. एस. के दादलानी, डा. जे.सी राजपूत, डा. नारायण चावला, डा. डी.आर भारद्वाज, डा. बागेश तिवारी को सम्मानित किया गया। वहीं पांच वैज्ञानिकों डॉ सुरेश रेड्डी, डॉ एच सी प्रसन्ना , डॉ रामकृष्ण,डॉक्टर सर्वेश पी कश्यप, डॉ जेके तिवारी,को डा. हरभजन सिंह अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सात दिवसीय संगीतमय कथा के अंतिम दिन श्रोताओं की भर आईं आंखें

संवाददाता–अयोध्या। बीकापुर तहसील क्षेत्र नंसा बाजार के निकट माता कामाख्या देवी धाम में सात दिवसीय संगीतमय कथा के अंतिम दिन शबरी मोक्ष, जटायु प्रसंग, लंका दहन, सेतु बंधन, लंका विजय और अंत में कथा व्यास पंडित अमरेश्वरानंद ने अंतिम दिन प्रभु श्री राम की अयोध्या वापसी तक की कथा को सुनाया। देवताओं के कहने पर मां सरस्वती ने मंथरा की बुद्धि फेर दी, जिसके कारण कैकई ने श्री राम को राजा दशरथ से वनवास भिजवाया, श्रीराम सीता जी और लक्ष्मण के साथ वन चले जाते हैं। भगवान राम को वन जाते देख अयोध्या वासी अत्यंत दुखी हो जाते हैं। वन में भगवान राम की भेंट निषादराज से हुई। निषादराज के प्रयास से भगवान राम केवट से भेंट करते हैं। जिसमें श्री राम ने केवट से गंगा पार उतारने को कहा। केवट ने गंगा पार उतारने से इंकार किया। जिसमें केवट ने भगवान श्री राम के पैर धोकर तीनों को अपनी नाव में बैठाकर गंगा पार लगाया। इसी बीच श्रीराम के वन जाने के वियोग राजा दशरथ अपने प्राण त्याग देते हैं। भरत ,शत्रुघ्न अपने ननिहाल से लौट कर आते हैं तो भैया का वन जाना और अपने पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर बहुत दुखी होते हैं। भरत, शत्रुघ्न अपनी माताओं और अयोध्या वासियों को लेकर चित्रकूट जाते हैं और भगवान श्री राम, लक्ष्मण और सीता से भेंट करते हैं। इसके बाद भरत जी ,रामजी की खड़ाऊ लेकर अयोध्या वापस आते हैं क कथा व्यास अमरेश्वरानंद महाराज ने कहा कि यदि भाई से भाई का प्रेम देखना है तो भगवान भरत के चरित्र जैसा दूजा कोई नहीं है क कथा व्यास अमरेश्वरानंद ने कहा कि 14 वर्ष वनवास काल काटकर और विधर्मी रावण का वध करने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, भाई लक्ष्मण और जनकनंदिनी सीता के साथ वापस अयोध्या पहुंचे तत्पश्चात अयोध्या वासियों ने बड़े हर्ष और उल्लास के साथ उनका स्वागत किया । इस मौके पर समाजसेवी विपनेश पांडेय, स्वामी प्रसाद, घनश्याम सिंह, दीपक, राहुल, दिनेश सहित सैकड़ों श्रोतागण मौजूद रहे।

पौधों की पहचान के लिए टैक्सोनामी की जानकारी जरूरी

संवाददाता–गोरखपुर। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज के बॉटेनिकल सोसायटी के तत्वावधान में शनिवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पतंजलि शोधपीठ के वैज्ञानिक डॉ. उदयभान प्रजापति ने टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक, डेल्टा टैक्सोनॉमी, प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि व पौधों को पहचानने के लिए प्रचलित मोबाइल एप्स के बारे में विस्तार से बताया। वन पारिस्थितिकीय अध्ययन के लिए प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि के बारे में भी जानकारी दी। कॉलेज के प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पांडेय ने कहा कि छात्र–छात्राओं को अपने जीवन में प्राप्त अवसरों का लाभ लेते हुए, जीवन में सतत आगे बढ़ते रहना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक सचिव डॉ. अनीता कुमारी ने डॉ. उदयभान के शोध कार्य का संक्षिप्त विवरण दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. अनिल सिंह ने बताया कि पौधों की सटीक पहचान के लिए टैक्सोनामी का ज्ञान जरूरी है। पौधों की पहचान कर उनका आर्थिक, चिकित्सकीय, मृदा संरक्षण आदि में प्रयोग किया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अवनीश ने किया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ. क्षमता, डॉ. गौरव, डॉ. शुभम आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं० C 202317000000354

अदालत–श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती रीता देवी

बनाम

विनोद कुमार आदि

1. विनोद कुमार पुत्र बजरंगी 2. श्रीमती इलायची पत्नी बजरंगी साकिन इटवाबक्शी पोo इटवा तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 01–03–2024

अपील बनाजी अदालत मुकाम मयरिया महीना सन् 20 ई० रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनाजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 03 सन 2024 ई० वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 02 सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द० हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,

ईमेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com